G20 पर जन सम्मलेन

सुरजीत भवन, नई दिल्ली | अगस्त 18-20, 2023

पहला दिन : अगस्त 18, 2023, दोपहर 2 बजे से

उद्घाटन सत्र

स्थान: फादर स्टैन स्वामी ऑडिटोरियम (तीसरी मंजिल), एचकेएस सुरजीत भवन

वक्ता:

अब्दुल शकील, बस्ती सुरक्षा मंच

अरुण कुमार, समर्पित अर्थशास्त्र प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

बृंदा करात, ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वीमेन्स असोसिएशन

दयामणि बारला, आदिवासी-मूलवासी अस्तित्व रक्षा मंच

हनन मोल्लाह, पूर्व लोक सभा सांसद, ऑल इंडिया किसान सभा

हर्ष मंदर, कारवां-ए-मोहब्बत

जयति घोष, अर्थशास्त्री, मासाचुसेट्स विश्वविद्यालय एमहर्स्ट

मनोज झा, राज्य सभा सांसद

मेधा पाटकर, नर्मदा बचाओ आंदोलन, नैशनल अलायंस ऑफ पीपल्स मूवमेंट्स

ओलेंसिओ सिमोज, नैशनल फिश वर्कर्स फोरम

पॉल दिवाकर, नैशनल कैम्पेन ऑन दलित ह्यूमन राइट्स

राजीव गौड़ा, पूर्व राज्य सभा सांसद, वाइस चेयरमैन, स्टेट इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफ़ॉर्मेशन ऑफ कर्नाटक

रेखा राजपूत, अन्नदाता भारतीय किसान यूनियन

रित्विक दत्त, लीगल इनिशिएटिव फॉर फ़ॉरेस्ट एंड एनवायरनमेंट (लाइफ)

रोमा मलिक, ऑल इंडिया यूनियन ऑफ फ़ॉरेस्ट वर्किंग पीपल

शक्तिमान घोष, नैशनल हॉकर्स फेडरेशन

तीस्ता सेतलवाड, डेमोक्रेटिक राइट्स एक्टिविस्ट, सिटिज़न्स फॉर जस्टिस एंड पीस

थॉमस फ्रांको, पूर्व महासचिव, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन

वासिक नदीम ख़ान, यूनाइटेड अगेंस्ट हेट

दूसरा दिन: 19 अगस्त, 2023

कार्यशाला कार्यक्रम

कार्यशाला 1: जी 20 और भारत की प्रेसिडेंसी: किसके हित में?

समय: 10:30 सुबह – 1:30 दोपहर | स्थल: गौरी लंकेश हॉल (बेसमेंट), सुरजीत भवन, नयी दिल्ली

भारत ने खुद को वैश्विक दक्षिण की आवाज़ के रूप में प्रस्तुत किया है। जैसे कि 'वैश्विक दक्षिण सम्मेलन की आवाज़' या अफ्रीकन यूनियन को जी 20 के पूरे सदस्य के रूप में शामिल करने का प्रस्ताव देने के माध्यम से। 21वीं सदी के महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारत की नीति की ग्लोबल दक्षिण के निम्न और मध्य आय वाले देशों के लिए महत्वपूर्ण प्रासंगिकताएँ हैं। ग्लोबल दक्षिण के प्रतिनिधि / मध्यस्थ के रूप में भारत की भूमिका क्या होनी चाहिए , भारत अपनी जी 20 प्रेसिडेंसी का उपयोग हाशिये के देशों की मांगों को बनाए रखने के लिए कैसे कर रहा है, और भारत का किस प्रकार का विकास मॉडल ग्लोबल दक्षिण के हितों की रक्षा कर रहा है? ये कुछ प्रश्न हैं जिन पर इस सत्र मे चर्चा होगी।

वक्ता

बेनी कुरुविला, फोकस ऑन द ग्लोबल साउथ

ग्लेन य्माता, एशियन पीपल्स' मूवमेंट ऑन डेब्ट एंड डेवलपमेंट

नंदिनी सुंदर, दिल्ली विश्वविद्यालय

रोमा मलिक, ऑल इंडिया यूनियन ऑफ फ़ॉरेस्ट वर्किंग पीपल

अविनाश चंचल, ग्रीनपीस और मिनरल इन्हेरिटर्स राइट्स एसोसिएशन कोलीशन

के एम गोपाकुमार, थर्ड वर्ल्ड नेटवर्क

दिनेश अब्रोल, दिल्ली साइंस फ़ोरम

कार्यशाला 2: डिजिटलीकरण और निगरानी

समय: 10:30 सुबह – 1:30 दोपहर | स्थल: विमल भाई हॉल (पहली मंजिल, व्याख्यान हॉल)

डिजिटल सार्वजनिक ढांचा को प्रोत्साहित करना भारत की जी 20 प्रेसिडेंसी का मुख्य विषय है। डिजिटल अर्थव्यवस्था, डिजिटल स्वास्थ्य, विकास के लिए डेटा, यूपीआई, आधार जैसी डिजिटल प्रौद्योगिकियों के बारे में चर्चाएं हो रही हैं। वास्तविकता में, हम डेटा और डिजिटल उपकरणों की वस्तुवादीकरण, विभिन्न समूहों के बीच डिजिटल अंतर, डिजिटल साक्षरता की कमी और डिजिटल धोखाधड़ी का सामना करते हैं। उभरती हुई डिजिटल प्रौद्योगिकियों से कैसे निपटें, एक सुरक्षित और समावेशी डिजिटल सार्वजनिक ढांचा कैसा दिखना चाहिए, डेटा संरक्षण के लिए क्या सुरक्षा होनी चाहिए, डेटा गोपनीयता की कैसे सुनिश्चित करें और एक अनियोजित और अचानक डिजिटल ढांचात्मक परिवर्तन के वैश्विक दक्षिण में क्या प्रभाव हो सकता है? इस सत्र में इन महत्वपूर्ण प्रश्नों पर चर्चा होगी

वक्ता

अमृता जोहरी, सतर्क नागरिक संगठन

निखिल डे, मजदूर किसान शक्ति संगठन

अंजलि भारद्वाज, सूचना के अधिकार के लिए राष्ट्रीय अभियान

कार्यशाला 3: जी 20 और मोदी प्रशासन की जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता और संबंधित मानवाधिकार पर ट्रैक रिकॉर्ड
समय: 10:30 सुबह – 1:30 दोपहर | स्थल: रोहित वेमुला हॉल (तीसरी मंजिल, ऑडिटोरियम लॉबी)

एक अभूतपूर्व चुनौती जिसका सामना दुनिया कर रही है, वो है जलवायु परिवर्तन के प्रभाव। बढ़ते समुंदर का स्तर, बारिशों की असामयिकता और अक्षम मौसम कुछ अत्यधिक मौसमी घटनाओं उदाहरण हैं। कार्बन पर आधारित फॉसिल ईंधन कर वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाना आवश्यक है। हालांकि, संकट का समाधान करने के लिए जलवायु वित्त में लाखों करोड़ डॉलर, ऋण संरचना का पुनर्निर्माण या रद्द करने की आवश्यकता है, और एक साझा अंतरराष्ट्रीय ढाँचे की ज़रुरत है। सत्र में यह पुछा जायेगा की : जी 20 की जलवायु परिवर्तन पर क्या स्थिति है, क्या जी 20 जलवायु वित्त पर सहमति प्राप्त कर सकता है, और यदि हां, तो वित्त की प्रकृति, राशि और रूप क्या होंगे?

वक्ता

जयराम रमेश, पूर्व केन्द्रीय मंत्री, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन और सदस्य संसद

अनिल हेगड़े, सदस्य संसद, राज्य सभा

वंदना शिवा, नवदन्या इंटरनेशनल

मेधा पाटकर, नर्मदा बचाओ आंदोलन / नैशनल अलायंस ऑफ पीपल्स मूवमेंट्स

भार्गवी राव, एनवायरनमेंट सपोर्ट ग्रुप

लियो सल्डान्हा, एनवायरनमेंट सपोर्ट ग्रुप

कार्यशाला 4: अंतराष्ट्रीय वित्त, बड़े बैंक और इनका जनता पर प्रभाव
समय: 3:00 बजे - 6:00 बजे | स्थल: गौरी लंकेश हॉल (बेसमेंट)

जी 20 के कार्यक्रमों में चर्चाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा विभिन्न वित्तीय माध्यमों का अन्वेषण करना रहा है ताकि टिकाऊ विकास लक्ष्य प्राप्त किए जा सकें, बहु संकट का समाधान किया जा सके, समावेशी डिजिटल ढांचा सुनिश्चित किया जा सके, आदि। इस प्रक्रिया में, बहु पक्षीय विकास बैंकों के सुधार और अधिक निजी पूंजी निवेश की दिशा में ध्यान दिया गया है। इस सत्र का उद्देश्य इस नवउदारवादी सुधारात्मक विकास मॉडल पर चर्चा करना है। यह एक ऊपर से थोपा जाने वाला मॉडल है, जिसमे जनता की आवाज़ों को दबा दिया गया है, और इसका गरीबों और कमजोर समुदायों पर दुष्प्रभाव पड़ता है।

वक्ता

डी. थॉमस फ्रांको, पीपुल्स फर्स्ट

वैष्णवी वरदराजन, इंटरनेशनल अकाउंटेबिलिटी प्रोजेक्ट

नंदकुमार पवार, वनशक्ति, मुंबई

रमेश कोली, महाराष्ट्र स्मॉल स्केल ट्रेडिशनल फिश वर्कर्स यूनियन, नवी मुंबई

आर. श्रीधर, एनवायरोनिक्स ट्रस्ट

प्रस्क्न्व सिन्हाराय , सेंटर फॉर फाइनेंशियल अकाउंटेबिलिटी

कार्यशाला 5: कृषि और खाद्य सुरक्षा
समय: 3:00 बजे - 6:00 बजे | स्थल: रोहित वेमुला हॉल (तीसरी मंजिल, ऑडिटोरियम लॉबी)

कृषि और खाद्य सुरक्षा, जी 20 की घटनाओं का एक मुख्य विषय है, जो किसान के सवाल से जुड़ा है। कृषि से संबंधित मुद्दे जो जी 20 चर्चाओं में प्रकट हुए हैं - कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव, आपूर्ति श्रृंखला वितरण, सस्टेनेबल कृषि को प्रोत्साहित करना, प्राकृतिक कृषि और प्रौद्योगिकी संभावित कृषि, आदि। ये चर्चाएँ और उनकी परिणामी नीतियाँ किसानों की स्थिति पर कैसा प्रभाव डालती हैं या उनकी समस्याओं का समाधान कैसे करती हैं? सत्र में किसानों की मुख्य समस्याएँ और चिंताएँ समझाई जाएंगी, और कृषि और खाद्य सुरक्षा से संबंधित प्रश्नों के समाधान के लिए उपाय सिफारिश किए जाएंगे।

वक्ता:

नचिकेत उडापा, मज़दूर किसान शक्ति संगठन

दिनेश अब्रोल, नेशन फॉर फार्मर्स

अमृता जोहरी, राइट टू फूड कैम्पेन

राज शेखर, राइट टू फूड कैम्पेन

कार्यशाला 6: असमानता का सामना करना, श्रमिक अधिकार सुरक्षित करना और सामाजिक सुरक्षा को मजबूती देना
समय: 3:00 बजे दोपहर - 6:00 बजे शाम | स्थल: विमल भाई हॉल (पहली मंजिल, व्याख्यान हॉल)

बढ़ती गरीबी और आय असमानता हमारे समय की प्रमुख चिंताएँ हैं। नई प्रकार के वेतन-श्रम सम्बन्ध (जैसे कि गिग काम) इन असुरक्षाओं को दिखाते हैं, जो साथ ही सामाजिक सुरक्षा की कमी, और गरिमा और मानवाधिकारों की उल्लंघन के साथ होती है। जी 20 चर्चाएँ यूनिवर्सल सामाजिक सुरक्षा की सवाल उठा हैं, महिलाओं को काम के भविष्य में केंद्र में रखने की, श्रम प्रवास की व्यापारिकता के संदर्भ में सामाजिक सुरक्षा के पोर्टेबिलिटी के लिए वैश्विक तंत्र, संस्थान द्वारा नेतृत्व विकास, कौशल प्रशिक्षण और कौशल उन्नति, संरचनात्मक उद्यमिता, और नए रोजगार के अवसर बनाने का प्रश्न उठाया है। यह सत्र जी 20 के इन ऊंचे वादों का समालोचनात्मक रूप से परीक्षण करेगा।

वक्ता

वर्षा गांडीकोटा नेल्लुतला, प्रगतिशील अंतरराष्ट्रीय

एंजेला तनेजा, ऑक्सफैम अंतरराष्ट्रीय

राजीव शर्मा, बिल्डिंग और वुडवर्कर्स अंतरराष्ट्रीय

मंजू गोयल, अमेज़न इंडिया कर्मचारी समिति

प्रवीण झा, अर्थशास्त्री

निखिल डे, मजदूर किसान शक्ति संगठन

एनी राजा, भारतीय महिला संघ की राष्ट्रीय महिला फेडरेशन

तीसरा दिन: 20 अगस्त, 2023

कार्यशाला 7: शहरों की पुनर्कल्पना: सही, विकासशील, सहभागितापूर्ण और समावेशी शहरों का अधिकार प्रोत्साहित करना

समय: 10:30 पूर्वाह्न - 1:30 अपराह्न | स्थल: गौरी लंकेश हॉल (बेसमेंट)

भारत की प्रधानता के तहत जी 20 की घटनाओं का आयोजन कथनी और करनी के बीच एक विरोध को प्रस्तुत करता है। एक तरफ, जी 20 की चर्चाएँ विकासशील शहरों और कल के शहरों की निर्माण के चारों ओर घूम रही थीं, वहीं दूसरी तरफ, बड़े समारोहों के आयोजन के लिए शहरी गरीबों और कमजोरों के जीने के स्थानों की बड़ी संख्या में ध्वस्तीकरण विस्थापन किया था। शहर का अधिकार किसके पास है और किन शर्तों पर है, शहरी विकास और का एक ज्वलंत सवाल है? यह सत्र जी 20 के संदर्भ में इस प्रश्न की बारीकियों को दर्शायेगा।

वक्ता

संदीप वर्मा, नैशनल हॉकर्स फेडरेशन

आकाश भट्टाचार्य, ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस

संजीव डांडा, दलित आदिवासी शक्ति अधिकार मंच

विनिता बालेकुंडी, नैशनल हॉकर्स फेडरेशन

गौरव द्विवेदी, सेंटर फॉर फाइनेंशियल अकाउंटेबिलिटी

सीताराम शेलार, पानी हक समिति

पूनम कन्नौजिया, घर बनो घर बचाओ आंदोलन

अब्दुल शकील, बस्ती सुरक्षा मंच

राजेन्द्र रवि, पीपल्स रिसोर्स सेंटर

बिलाल खान, कामगार संरक्षण सम्मान संघ

अली अकबर, बस्ती सुरक्षा मंच

रेखा राजपूत, अन्नदाता भारतीय किसान यूनियन

एम.सी. राजन, संविधान विशेषज्ञ

मेधा पाटकर, नर्मदा बचाओ आंदोलन / नैशनल अलायंस ऑफ पीपल्स मूवमेंट्स

जम्मू आनंद, नैशनल हॉकर्स फेडरेशन

कार्यशाला 8: फासीवाद और मार्जिनलाइजेशन
समय: 10:30 पूर्वाह्न - 1:30 अपराह्न | स्थल: रोहित वेमुला हॉल (तीसरी मंजिल, ऑडिटोरियम लॉबी)

एक शब्द जो बार-बार जी 20 की घटनाओं में दोहराया गया है, वह 'समावेशी' है, जिससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि वर्तमान वित्तीय, सामाजिक और राजनीतिक संरचनाएँ जेंडर, विकलांगता, जाति, धार्मिक और जाति संबंधी पहचानों के सामाजिक मुद्दों का समाधान करने में असफल रही हैं। जी 20 मेगा इवेंट के पहले और दौरान ध्वस्तीकरण और विस्थापन अभियानों पर कई रिपोर्टों के अनुसार, सबसे बड़ा प्रभावित समूह पिछड़े जाति समूह और धार्मिक अल्पसंख्यक, ट्रांसजेंडर लोग और अन्य हासिये के समुदायों का रहा है। यह सत्र में समाज के हाशिये पर ला कर खड़े कर दिए गए लोगों के मुद्दों पर बात होगी।

वक्ता

वर्जिनियस खाखा, अकादमिक और कार्यकर्ता

बीना पल्लिकल, नेशनल कैम्पेन ऑन दलित ह्यूमन राइट्स

सुप्रिया चोटानी, नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन विमेन

मैमूना मोल्ला, ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वुमेन्स एसोसिएशन

मुरलीधरन, नेशनल प्लेटफ़ॉर्म फ़ॉर दी राइट्स ऑफ़ दी डिसेबल्ड

रुशदा सिद्दीकी, नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन विमेन

राज शेखर, राइट टू फूड कैम्पेन

कार्यशाला 9: प्राकृतिक संसाधन आधारित समुदायों के अधिकार
समय: 10:30 पूर्वाह्न - 1:30 अपराह्न | स्थल: वकील शहीद आजमी हॉल (दूसरी मंजिल, बोर्ड रूम)

जैसा कि जी 20 एक एकल, बड़े हिस्से में समान प्रकार के विकास मॉडल को बढ़ावा दे रहा है जिसमें निजीकरण पर फोकस है, विकास के वैकल्पिक विचारों पर बहसें अक्सर सामने नहीं आती हैं। लोक संसाधन, सिर्फ प्राकृतिक संसाधनों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वर्तमान में ज्ञान सामग्री, डिजिटल सामग्री, स्वास्थ्य सामग्री, शहरी सामग्री, सांस्कृतिक सामग्री आदि के क्षेत्र भी लोक सम्पदा में शामिल हैं। यह सत्र संसाधनों के विचार का परीक्षण करेगा और विकास के विकल्पिक विचारों पर प्रकाश डालेगा।

वक्ता

श्रीधर राममूर्ति, एनवायरॉनिक्स ट्रस्ट

प्रीति संपत, अंबेडकर विश्वविद्यालय

ओलेंसियो सिमोएस, नैशनल फिशवर्कर्स फोरम

मेधा पाटकर, नर्मदा बचाओ आंदोलन / नैशनल अलायंस ऑफ पीपल्स मूवमेंट्स

मॉडरेटर: प्रिया दर्शिनी, दिल्ली फोरम

तीसरा दिन: दोपहर 2 बजे से

सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्थल: फादर स्टैन स्वामी ऑडिटोरियम (तीसरी मंजिल), एच.के.एस सुरजीत भवन

वजूद प्रोग्रेसिव थिएटर एंड आर्ट्स डॉ ए वी बलिगा मेमोरियल ट्रस्ट - स्किट

ऐसी तैसी डेमोक्रेसी/संजय राजौरा - स्टैंड अप

विरह बैंड - जलवायु गीत

बच्चों का नाटक - शहरी महिला कामगार यूनियन - स्ट्रीट प्ले

फोक फ्यूजन बैंड - गीत

अर्बन फोल्क, जेएनयू - बहुभाषी रेडिकल गाने

सबिका - कविताएँ

जन नाट्य मंच - स्किट